अध्याय - 4 भारत में मानव पूँजी का निर्माण

पाठ के मुख्य बिन्दु

- शिक्षा में निवेश से मानव, को मानव पूँजी में परिवर्तित किया जाता है।
- शिक्षित व्यक्ति की श्रम कौशल अशिक्षित की तुलना में अधिक होती है और वह उत्पादकता में अधिक योगदान करता है।
- मानव पूँजी बढ़ी हुई उत्पादकता का प्रतिनिधित्व करती है।
- यह एक अर्जित योग्यता है और समझ के साथ किए गए निवेश निर्णय का परिणाम है जो भविष्य में आय के स्रोतों में वृद्धि की अपेक्षा से किए जाते हैं।
- मानव पूँजी निर्माण के मुख्य स्रोत शिक्षा में निवेश कार्यस्थल प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, प्रवसन और सूचना पर व्यय है।
- भौतिक पूँजी की संकल्पना मानव पूँजी की संकल्पना निर्धारण का आधार है।
- मानव पूँजी तथा भौतिक पूँजी में कुछ समानताएं और असमानताएं हैं।
- मानव विकास इस विचार पर आधारित है कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों मनुष्यों के कल्याण के अभिन्न अंग है।
- कुल सरकारी व्यय में शिक्षा पर किए जाने वाले व्यय का प्रतिशत सरकार द्वारा शिक्षा को दिए गए महत्व को बताता है।
- शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में सुधार के लिए शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 6% व्यय होना चाहिए-शिक्षा आयोग (1964-66)।
- शिक्षा और स्वास्थ्य की देखभाल निजी तथा सामाजिक लाभ उत्पन्न करती है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. शिक्षित व्यक्ति के श्रम कौशल अशिक्षित व्यक्ति की तुलना में – होते हैं?
a. अधिक b. कम
c. बराबर d. पिछड़ा

2. शिक्षा -
a. उपार्जन क्षमता बढ़ाती है
b. उत्तम सामाजिक स्थिति और गौरव प्रदान करती है
c. जीवन में बेहतर विकल्पों का चयन करने योग्य बनाती है
d. उपर्युक्त सभी

3. देश शिक्षा के अवसरों के विस्तार की आवश्यकता पर बल देते हैं क्योंकि यह-
a. विकास प्रक्रिया को तेज करती है
b. विकास प्रक्रिया को कम करती है
c. विकास प्रक्रिया को स्थिर रखती है
d. विकास की प्रक्रिया से इसका कोई संबंध नहीं है

4. मानव पूँजी के उदाहरण है-
a. नर्स b. अध्यापक
c. अभियंता d. उपर्युक्त सभी

5. मानव पूँजी निर्माण के प्रमुख स्रोत क्या हैं?
a. शिक्षा में निवेश
b. स्वास्थ्य में निवेश
c. कार्य के दौरान प्रशिक्षण
d. उपर्युक्त सभी

6. मानव पूँजी है-
a. केवल श्रमिक
b. केवल उद्यमी
c. श्रमिक तथा उद्यमी दोनों
d. देश की संपूर्ण जनसंख्या

7. मानव पूँजी में सम्मिलित होते हैं?
a. शिक्षा b. व्यवसायिक कौशल
c. स्वास्थ्य d. उपर्युक्त सभी

8. एक स्वस्थ श्रम की तुलना में एक बीमार श्रम की-
a. उत्पादकता कम होगी
b. आय कम होगी
c. आर्थिक विकास में योगदान कम होगी
d. उपर्युक्त सभी

9. सामाजिक आयुर्विज्ञान का अर्थ है-
a. टीकाकरण
b. चिकित्सा
c. स्वास्थ्य संबंधी साक्षरता या ज्ञान का प्रसार
d. स्वास्थ्य व्यवस्था

10. टीकाकरण है-
a. प्रतिषेधी आयुर्विज्ञान
b. चिकित्सीय आयुर्विज्ञान
c. सामाजिक आयुर्विज्ञान
d. स्वास्थ्य विज्ञान

11. कार्य के दौरान प्रशिक्षण से श्रम की उत्पादकता में ---- होती है?
a. वृद्धि b. कमी
c. स्थिर d. अपरिवर्तित

12. एक फर्म अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के बाद एक निश्चित अवधि तक अपनी ही फर्म में कार्य करने को बाध्य करती है, क्योंकि-

a. फर्म प्रशिक्षण पर किए गए व्यय की उगाही अधिक उत्पादन से प्राप्त लाभ के द्वारा करना चाहती है
b. फर्म प्रशिक्षण पर और अधिक व्यय करना चाहती है
c. फर्म अपने कर्मचारियों को अधिक लाभ देना चाहती है
d. फर्म कर्मचारियों को कष्ट देना चाहती है

13. भारत में ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र की ओर पलायन या प्रवसन का मुख्य कारण क्या है?

a. ग्रामीण बेरोजगारी
b. ग्रामीण झगड़ा
c. रिश्तेदार
d. राजनेता द्वारा प्रोत्साहन

14. प्रवासी श्रमिकों को कौन-कौन सी लागतें वहन करनी पड़ती हैं?

a. परिवहन लागत b. उच्चत्तर निर्वाह लागत
c. मानसिक लागत d. उपर्युक्त सभी

15. भौतिक पूँजी निर्माण कैसी प्रक्रिया है?

a. एक आर्थिक और तकनीकी प्रक्रिया है
b. एक आर्थिक और सामाजिक प्रक्रिया है
c. एक सामाजिक और तकनीकी प्रक्रिया है
d. एक सामाजिक और राजनीतिक प्रक्रिया है

16. मानव पूँजी के संबंध में निम्न में से कौन-सा कथन सत्य है?

a. मानव पूँजी अदृश्य होती है
b. बाजार में मानव पूँजी को बेचा नहीं जा सकता केवल सेवाओं की बिक्री की जा सकती है
c. मानव पूँजी का स्वामी से पृथक्करण संभव नहीं
d. उपर्युक्त सभी सत्य है

17. भौतिक पूँजी के संबंध में निम्न में से कौन- सा कथन सत्य है?

a. भौतिक पूँजी वस्तुओं की तरह दृश्य होती है
b. भौतिक पूँजी को बाजार में बेचा जा सकता है
c. भौतिक पूँजी को उसके स्वामी से पृथक किया जा सकता है
d. उपर्युक्त सभी सत्य है

18. व्यक्ति की उपार्जन क्षमता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक निम्नांकित में कौन-कौन से हैं?

a. श्रम बाजार की जानकारी
b. प्रवसन
c. कार्य के दौरान प्रशिक्षण
d. उपर्युक्त सभी

19. भारत में सर्वप्रथम किस पंचवर्षीय योजना में आर्थिक संवृद्धि में मानव पूँजी के महत्व को स्वीकार किया गया था?

a. पांचवी पंचवर्षीय योजना में
b. सातवीं पंचवर्षीय योजना में
c. नवीं पंचवर्षीय योजना में
d. दसवीं पंचवर्षीय योजना में

20. तकनीकी विकास से किस प्रकार के श्रमिकों की मांग बढ़ेगी?

a. अकुशल श्रमिकों की
b. कुशल श्रमिकों की
c. सभी प्रकार के श्रमिकों की
d. किसी की नहीं

21. भारत के विकसित देश बनने के साथ भारत में ---- की मांग बढ़ेगी

a. मानविकी और कला b. अकुशल श्रम
c. बेरोजगारों d. महिलाओं

22. मानव विकास-

a. साधन है
b. साध्य है
c. साधन और साध्य दोनों हैं
d. ना तो साधन है और ना ही साध्य है

23. मानव पूँजी-

a. साधन है
b. साध्य है
c. साधन और साध्य दोनों है
d. इनमें से कोई नहीं

24. मानव विकास की अवधारणा — विचार पर आधारित है

a. शिक्षा मानव कल्याण का अभिन्न अंग है
b. स्वास्थ्य मानव कल्याण का अभिन्न अंग है
c. प्रशिक्षण मानव कल्याण का अभिन्न अंग है
d. शिक्षा और स्वास्थ्य मानव कल्याण का अभिन्न अंग है

25. भारत की प्रशासकीय व्यवस्था के तीन स्तर कौन-कौन हैं?

a. केंद्र, राज्य, स्थानीय निकाय
b. केंद्र, जिला, ग्राम पंचायत
c. राज्य, जिला, ग्राम पंचायत
d. जिला, नगर निगम, नगर पंचायत

26. शिक्षा और स्वास्थ्य की देखभाल किस प्रकार के लाभ उत्पन्न करती है?

a. सामाजिक लाभ b. निजी लाभ
c. a तथा b दोनों d. इनमें से कोई नहीं

27. वह प्रक्रिया जिसके अंतर्गत शिक्षा पर निवेश, स्वास्थ्य सुविधाओं पर व्यय एवं कार्य के दौरान प्रशिक्षण दी जाती है; क्या कहलाती है?

a. मानव पूँजी निर्माण b. मानव विकास
c. भौतिक पूँजी निर्माण d. भौतिक विकास

28. भारतीय शिक्षा व्यवस्था के अंग हैं?

a. शिक्षा मंत्रालय
b. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
c. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
d. उपर्युक्त सभी

29. शिक्षा के महत्व का सूचक है-

a. कुल सरकारी व्यय में शिक्षकों पर व्यय
b. कुल सरकारी व्यय में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत
c. सकल घरेलू उत्पाद में शिक्षा पर व्यय का भाग
d. सकल घरेलू उत्पाद एवं शिक्षा का अनुपात

30. वर्ष 2014 में कुल सरकारी व्यय में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत कितना रहा?

a. 15.7% b. 5.50%
c. 0.64% d. 2%

31. कुल शिक्षा व्यय का सर्वाधिक भाग किस स्तर के शिक्षा पर व्यय किया जाता है-

a. प्राथमिक शिक्षा पर b. माध्यमिक शिक्षा पर
c. उच्च शिक्षा पर d. तकनीकी संस्थानों पर

32. शिक्षा आयोग (1964-66) की सिफारिश के अनुसार शैक्षिक उपलब्धियों की संवृद्धि दर में सुधार के लिए शिक्षा पर जीडीपी का कम से कम कितना प्रतिशत व्यय किया जाना चाहिए-

a. 2% b. 3%
c. 5% d. 6%

33. भारत में "शिक्षा का अधिकार" कानून किस वर्ष बना

a. 2005 b. 2009
c. 2012 d. 2014

34. "शिक्षा का अधिकार अधिनियम" कानून के अनुसार किस आयु वर्ग के बच्चों को मुफ़्त शिक्षा दी जाती है?

a. 6-25 आयु वर्ग के बच्चों को
b. 6-18 आयु वर्ग के बच्चों को
c. 6-14 आयु वर्ग के बच्चों को
d. 6-10 आयु वर्ग के बच्चों को

35. भारत सरकार के द्वारा सभी केंद्रीय करों पर कौन-सा उपकर लगाया गया है?

a. उत्पादन कर b. वस्तु एवं सेवा कर
c. शिक्षा उपकर d. बिक्री कर

36. शिक्षा उपकर से प्राप्त राजस्व को किस मद में व्यय करने के लिए सुरक्षित रखा जाता है?

a. प्राथमिक शिक्षा b. माध्यमिक शिक्षा
c. उच्च शिक्षा d. तकनीकी शिक्षा

37. शैक्षिक उपलब्धियों के सूचक है-

a. व्यस्क साक्षरता दर
b. प्राथमिक शिक्षा संपूर्ति दर
c. युवा साक्षरता दर
d. उपर्युक्त सभी

38. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन के अनुसार वर्ष 2011-12 में ग्रामीण भारत में शिक्षित बेरोजगार का प्रतिशत कितना था?

a. 10% b. 15%
c. 19% d. 30%

39. बेरोजगारी की उच्च दर किनमें पाई जाती है?

a. उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं में
b. माध्यमिक शिक्षा प्राप्त युवाओं में
c. प्राथमिक शिक्षा प्राप्त युवाओं में
d. अशिक्षित युवाओं में

40. राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण संगठन के 2011-12 के आँकड़ों के अनुसार युवा ग्रामीण महिलाओं में बेरोजगारी का प्रतिशत कितना था?

a. 10% b. 20%
c. 30% d. 40%

बहुविकल्पीय प्रश्नों का उत्तर

1-a	2-d	3-a	4-d	5-d	6-c	7-d
8-d	9-c	10-a	11-a	12-a	13-a	14-d
15-a	16-d	17-d	18-d	19-b	20-b	21-a
22-b	23-a	24-d	25-a	26-c	27-a	28-d
29-b	30-a	31-a	32-d	33-b	34-c	35-c
36-a	37-d	38-c	39-a	40-c		

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

1. मानव पूँजी निर्माण के दो स्रोत बताएं?

उत्तर- मानव पूँजी निर्माण के दो स्त्रोत शिक्षा पर निवेश एवं स्वास्थ्य पर निवेश हैं।

2. कार्य के दौरान प्रशिक्षण क्यों आवश्यक है?

उत्तर- कार्य के दौरान प्रशिक्षण श्रम की उत्पादकता को बढ़ाता है।

3. शैक्षिक उपलब्धियों के दो सूचक का नाम बताइए।

उत्तर- शैक्षिक उपलब्धि के दो सूचक हैं - वयस्क साक्षरता दर एवं प्राथमिक शिक्षा संपूर्ति दर।

4. शिक्षा आयोग के अनुसार शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार के लिए शिक्षा पर कितना व्यय किया जाना चाहिए।

उत्तर- शिक्षा आयोग के अनुसार शैक्षिक उपलब्धियों में सुधार के लिए शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का 6 प्रतिशत व्यय किया जाना चाहिए।

5. शिक्षा का अधिकार कानून कब बना?

उत्तर- 2009 में।

6. मुफ्त शिक्षा का प्रावधान किस आयु वर्ग के बच्चों के लिए है?

उत्तर- 6-14 आयु वर्ग के बच्चों के लिए है।

7. शिक्षा पर व्यय का सर्वाधिक भाग किस स्तर के शिक्षा पर व्यय की जाती है?

उत्तर- शिक्षा पर व्यय का सर्वाधिक भाग प्राथमिक शिक्षा पर व्यय कि जाती है।

8. भारत में आर्थिक विकास से किस प्रकार के श्रम की माँग बढ़ेगी?

उत्तर- भारत में आर्थिक विकास से मानविकी और कला से संबंधित श्रम की माँग बढ़ेगी।

9. भारत ने पिछले दो दशकों में किस उद्योग में विशेष प्रगति दर्ज की है?

उत्तर- सॉफ्टवेयर उद्योग।

10. भारत में मानव पूँजी निर्माण की दो मुख्य समस्याएं क्या है?

उत्तर- 100% साक्षरता दर को प्राप्त करना तथा लिंग असमानता को दूर करना।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. भौतिक पूँजी तथा मानव पूँजी में अंतर को स्पष्ट कीजिए?

उत्तर- भौतिक पूँजी तथा मानव पूँजी में अंतर को निम्नांकित प्रकार से दर्शाया जा सकता है-

मानव पूँजी	भौतिक पूँजी
i. मानव पूँजी अदृश्य होती है।	i. भौतिक पूँजी वस्तुओं की तरह दृश्य होती है
ii. इसे बाजार में बेचा नहीं जा सकता केवल सेवाओं की बिक्री की जा सकती है।	ii. इसे वस्तुओं की तरह ही बाजार में बेचा और खरीदा जा सकता है।
iii. मानव पूँजी का स्वामी से पृथक्करण संभव नहीं है।	iii. भौतिक पूँजी को उसके स्वामी से पृथक किया जा सकता है।

2. मानव विकास का क्या अर्थ है?

उत्तर- मानव विकास से अर्थ मानव के समग्र विकास से है। जिसमें उसके अस्तित्व का आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक तथा आध्यात्मिक पहलू शामिल है। यह इस विचार पर आधारित है कि शिक्षा और स्वास्थ्य मानव कल्याण के अभिन्न अंग है क्योंकि यह मानव जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हैं।

3. भारत में शिक्षा का पिरामिड बहुत नुकीला है क्यों?

उत्तर- भारत में शिक्षा का पिरामिड बहुत ही नुकीला है, यह दर्शाता है कि जैसे-जैसे निम्न से उच्च शिक्षा की ओर बढ़ते हैं तो शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या काफी कम हो जाती है। प्राथमिक स्तर पर शिक्षा प्राप्त करने वालों की संख्या काफी अधिक है पर उच्चत्तर शिक्षा स्तर तक बहुत कम लोग पहुंच पाते हैं।

4. मानव पूँजी नव प्रवर्तन में किस प्रकार सहायक होती है?

उत्तर- मानव पूँजी न केवल श्रम की उत्पादकता बढ़ाती है बल्कि यह साथ-ही-साथ परिवर्तन को प्रोत्साहित कर नवीन प्रौद्योगिकी को आत्मसात करने की क्षमता भी विकसित करती है। शिक्षा समाज में परिवर्तनों और वैज्ञानिक प्रगति को समझ पाने की क्षमता प्रदान करती है जिससे आविष्कारों और नव प्रवर्तनो में सहायता मिलती है। इसलिए शिक्षित श्रम की उपलब्धता नवीन प्रौद्योगिकी को अपनाने में सहायक होती है।

5. भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी हस्तक्षेप क्यों आवश्यक है?

उत्तर- शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकारी हस्तक्षेप आवश्यक है, क्योंकि-

i) यह निजी तथा सार्वजनिक लाभ उत्पन्न करती है केवल निजी हाथों में छोड़ देने पर यह लाभ केंद्रित हो जाएगी। यही कारण है कि बाजार में निजी एवं सार्वजनिक संस्थाओं का सह अस्तित्व आवश्यक है।

ii) शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर व्यय का प्रभाव दीर्घकालीन होता है एवं इसे बदला नहीं जा सकता। यदि निजी हाथों में इसे छोड़ दिया जाए तो यह मानव पूँजी निर्माण पर हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं।

ii) शिक्षा एवं स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराने वाली निजी संस्था एकाधिकार प्राप्त कर शोषण करने लगती है इसलिए इसमें सरकारी हस्तक्षेप आवश्यक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. मानव पूँजी निर्माण और आर्थिक विकास एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है स्पष्ट करें?

उत्तर- मानव पूँजी निर्माण से उच्च आर्थिक विकास हो सकता है एवं उच्च आर्थिक विकास से मानव पूँजी निर्माण में तीव्रता आती है। हालांकि मानव पूँजी की वृद्धि के कारण आर्थिक संवृद्धि होती है इसको सिद्ध करने के लिए व्यावहारिक साक्ष्य स्पष्ट नहीं है। इसका कारण मापन की समस्या हो सकती है। किंतु, तर्क के आधार पर इस संबंध की व्याख्या की जाती है कि मानव पूँजी निर्माण एवं आर्थिक विकास एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है। दोनों एक दूसरे का कारण एवं परिणाम है, उच्च आर्थिक विकास से मानव पूँजी निर्माण के लिए विभिन्न साधन उपलब्ध होते हैं एवं मानव पूँजी निर्माण में अधिक निवेश की क्षमता उपलब्ध होती है। पुनः

अधिक मानव पूँजी निर्माण से देश की उत्पादन क्षमता एवं आय में वृद्धि होती है। अधिक उत्पादन एवं अधिक आय से उच्च आर्थिक विकास होता है। अतः मानव पूँजी निर्माण और आर्थिक विकास एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है। इसे निम्न रूप से दर्शा सकते हैं -

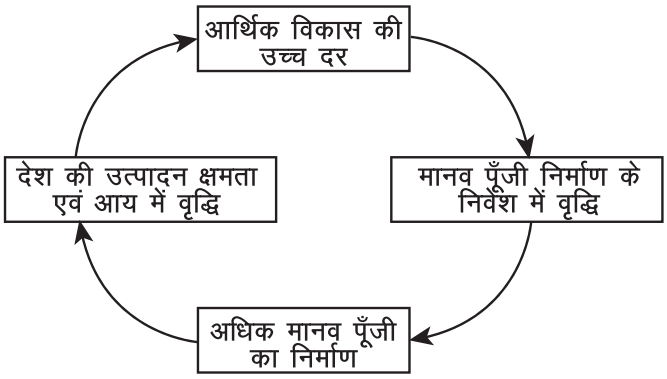

2. मानव पूँजी निर्माण के निम्नांकित स्रोतों की व्याख्या करें।

i) स्वास्थ्य आधारिक संरचना तथा

ii) प्रवसन पर व्यय

उत्तर- i) **स्वास्थ्य आधारिक संरचना -** एक स्वस्थ व्यक्ति की उत्पादकता एक बीमार एवं कमजोर व्यक्ति की तुलना में अधिक होती है। स्वास्थ्य का अर्थ है, व्यक्ति की शारीरिक, सामाजिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति। स्वास्थ्य पर व्यय अर्थात टीकाकरण, बीमारी के इलाज एवं स्वास्थ्य संबंधी साक्षरता या जागरूकता के साथ स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था पर की जाने वाली व्यय स्वास्थ्य में व्यय के अंतर्गत आता है। स्वास्थ्य पर व्यय स्वस्थ श्रमबल की पूर्ति को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ता है और यह मानव पूँजी निर्माण का एक स्रोत है।

ii) **प्रवसन पर व्यय-** व्यक्ति अपने मूल स्थान की आय से अधिक आय वाले रोजगार की तलाश में प्रवसन करते हैं। प्रवसन की स्थिति में, लोगों को प्रवसन की परिवहन लागत, उच्च निर्वाह लागत के साथ-साथ एक अनजाने सामाजिक सांस्कृतिक परिवेश में रहने की मानसिक लागत वहन करनी पड़ती है। किंतु नए स्थान पर उनकी आय प्रवास से जुड़ी सभी लगतों से अधिक होती है। अतः प्रवसन पर व्यय भी मानवीय पूँजी निर्माण का स्रोत है।

3. शिक्षा को किसी देश के विकास का महत्वपूर्ण कारक माना जाता है क्यों?

उत्तर- शिक्षा देश के विकास का एक महत्वपूर्ण कारक है इसे निम्न बिंदुओं से स्पष्ट किया जा सकता है-

i) **श्रम की उत्पादकता वृद्धि में सहायक-** शिक्षित व्यक्ति का श्रम कौशल अशिक्षित व्यक्ति की तुलना में अधिक होता है। शिक्षित व्यक्ति अधिक उत्पादन द्वारा राष्ट्रीय आय में अधिक योगदान देकर आर्थिक विकास में सहयोग करता है।

ii) **नव प्रवर्तन में सहायक-** शिक्षित एवं प्रशिक्षित श्रम न केवल श्रम के उत्पादकता में वृद्धि करता है, वरन परिवर्तनों को प्रोत्साहित कर नव प्रवर्तन को आत्मसात करने की क्षमता का विकास भी करता है।

iii) **वैज्ञानिक प्रगति में सहायक-** शिक्षा समाज में परिवर्तनों और वैज्ञानिक प्रगति को समझ पाने की क्षमता प्रदान करती है। जिससे आविष्कारों तथा वैज्ञानिक प्रगति में सहायता मिलती है, और यह आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।

iv) **कुशल श्रम की पूर्ति में सहायक-** आर्थिक विकास के साथ-साथ देश में तकनीकी प्रगति भी तीव्र गति से हो रही है। तकनीकी विकास से विश्व में अकुशल श्रम के स्थान पर मशीनें काम करने लगी है। डाटा साइंस, कंप्यूटर साइंस और गणित के क्षेत्र में कुशल कामगारों की जरूरत एवं मांग बढ़ेगी जो विज्ञान, समाज विज्ञान और मानविकी के विविध विषयों में योग्यता रखते हैं।

v) **सामाजिक जागरूकता का विकास-** शिक्षा से समाज में जागरूकता आयी है। विभिन्न प्रकार की पर्यावरणीय समस्याएं, जलवायु की समस्या, बढ़ते जनसंख्या की समस्या, संक्रमण एवं महामारी जैसी समस्या के संबंध में शिक्षा लोगों में जागरूकता लाती है तथा मानसिक क्षमताओं को विकसित करती है। इससे समाज में स्वस्थ वातावरण का निर्माण होता है। लोग संवेदनशील होते हैं,और समाज में समस्याओं से लड़ने की क्षमता का विकास होता है।